पाठ 6. रिमझिम-रिमझिम

पाठ का परिचय

इस कविता में वर्षा ऋतु के सौंदर्य का वर्णन किया गया है। वर्षा होने पर ही धरती की प्यास बुझ सकती है। पशु-पक्षियों के लिए यह मौसम खुशियाँ लेकर आता है। तितली, मोर, मेंढक, भँवरा आदि अपनी प्रसन्नता प्रकट करते हैं। कलियाँ भँवरों से मुसकराकर बातें करती हैं। इस मौसम में तुम्हें कुदरत तथा उसकी बनाई सृष्टि से प्यार हो ही जाएगा।

पाठ में निहित जीवन-मूल्य

प्रकृति से प्रेम करना। प्रकृति की देन ये ऋतुएँ हमें असीम आनंद देती हैं। इन ऋतुओं का स्वागत हमें दिल से करना चाहिए।

पाठ का वाचन

प्रकृति से जुड़ी इस कविता को लय के साथ गाएँ। एक-एक पंक्ति को पहले स्वयं गाएँ और फिर बच्चों से दोहराने को कहें। पूरी कविता को कम से कम दो बार लयबद्ध करके गाएँ। प्रत्येक पंक्ति का भाव स्पष्ट करें।

महत्वपूर्ण चर्चा

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूछते हुए बच्चों से चर्चा करें –

- वर्षा ऋतु सभी को आनंद क्यों देती है?
- इस ऋतु का आनंद केवल मनुष्य ही नहीं पशु-पक्षी व प्रकृति भी उठाती है, कैसे?
- यदि वर्षा ऋतु न होती तो क्या होता?
- वर्षा ऋतु में किस प्रकार का भोजन करना अधिक अच्छा लगता है?
- जब मौसम की पहली वर्षा होती है तो तुम क्या करते हो?